



CLASS 10 · CBSE HINDI COURSE A (002)

Hindi Course A Solved Board Papers

हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') – अध्यायवार और प्रश्न-पत्रवार हल सहित बोर्ड प्रश्न

2025–2026

- ✓ भाग क : हर प्रश्न अध्याय और लेखन-रूप के अनुसार, अंकों के क्रम में, पूर्ण उत्तर सहित
- ✓ भाग ख : पूर्ण बोर्ड प्रश्न-पत्र, हर पत्र के बाद उसके हल
- ✓ हर अध्याय के लिए वर्षवार अंक-भार तालिका और सबसे अधिक पूछे गए विषय
- ✓ अपठित, व्याकरण, क्षितिज-कृतिका और लेखन – सबके आदर्श उत्तर
- ✓ अंक-योजना के बिंदुओं पर आधारित पूर्ण उत्तर

WHAT YOU GET

CBSE हिंदी 'अ' प्रश्न-पत्र 2025-2026. हर प्रश्न का हल. अध्यायवार.

11

board papers

229

solved questions

2

years · 2025-26

24

chapters

185

MCQs solved

X प्रश्न अलग-अलग वर्षों में बिखरे



✓ सब एक जगह, अध्यायवार

X पता नहीं पहले क्या पढ़ें



✓ अंक-भार + सबसे अधिक पूछे गए विषय

X छोटे उत्तर, कम अंक



✓ अंक-योजना के अनुसार पूर्ण उत्तर

X लेखन के आदर्श उत्तर नहीं



✓ रचनात्मक लेख और पत्रकारिता के हल

PART A

Chapter-wise

A

- ✓ Weightage table
- ✓ Most-asked topics
- ✓ Every question + solution

PART B

Full papers

B

- ✓ Exactly as set by CBSE
- ✓ Solutions after each paper
- ✓ Timed 3-hour practice

2026 · 3/1/1

2025 · 3/1/1



Complete Notes · Solved PYQs

CLASS 6-12 · ALL SUBJECTS

100%
QUESTIONS
SOLVED

Made for board toppers



How to use this book

भाग क में किसी अध्याय या लेखन-रूप के सभी बोर्ड प्रश्न एक साथ हैं। अध्याय पढ़ने के बाद बिना उत्तर देखे प्रश्न हल करें, फिर मिलान करें और गलत प्रश्नों को एक सप्ताह बाद दोहराएँ।

हर प्रश्न के साथ लिखा है कि वह कहाँ पूछा गया, जैसे **CBSE 2026 • 3/1/1 • Q11**। अंक-भार तालिका देखकर तय करें कि पहले क्या दोहराना है।

भाग ख में पूरे प्रश्न-पत्र हैं। परीक्षा से पहले घड़ी लगाकर 3 घंटे में एक पत्र हल करें और फिर दिए गए हलों से जाँचें।

उत्तर बोर्ड की अंक-योजना के अनुसार लिखे गए हैं : हर अंक के लिए एक बिंदु, पाठ के उदाहरण या पंक्ति के साथ। शब्द-सीमा का ध्यान रखें।

Contents

Part A • Chapter-wise questions with solutions

- | | |
|--|-------------------------------------|
| 1. सूरदास : पद 1 Qs | 13. माता का अँचल 2 Qs |
| 2. तुलसीदास : राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद 2 Qs | 14. साना-साना हाथ जोड़ि 2 Qs |
| 3. जयशंकर प्रसाद : आत्मकथ्य 1 Qs | 15. मैं क्यों लिखता हूँ 2 Qs |
| 4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : उत्साह, अट नहीं रही है 2 Qs | 16. रचना के आधार पर वाक्य भेद 55 Qs |
| 5. नागार्जुन : यह दंतुरित मुसकान, फ़सल 2 Qs | 17. वाच्य 50 Qs |
| 6. मंगलेश डबराल : संगतकार 2 Qs | 18. पद परिचय 40 Qs |
| 7. नेताजी का चश्मा 2 Qs | 19. अलंकार 40 Qs |
| 8. बालगोबिन भगत 2 Qs | 20. अनुच्छेद लेखन 2 Qs |
| 9. लखनवी अंदाज़ 1 Qs | 21. पत्र लेखन 4 Qs |
| 10. एक कहानी यह भी 2 Qs | 22. ई-मेल और स्ववृत्त लेखन 4 Qs |
| 11. नौबतखाने में इबादत 2 Qs | 23. विज्ञापन और संदेश लेखन 4 Qs |
| 12. संस्कृति 1 Qs | 24. अपठित गद्यांश और काव्यांश 4 Qs |

Part B • Full board papers, each followed by its solutions

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 1. CBSE 2026 • 3/1/1 solutions | 2. CBSE 2025 • 3/1/1 solutions |
|--------------------------------|--------------------------------|

229 questions in all. प्रश्न CBSE कक्षा 10 हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ', 002) के बोर्ड प्रश्न-पत्रों से लिए गए हैं और उत्तर बोर्ड की आधिकारिक अंक-योजना के बिंदुओं पर आधारित हैं।

CHAPTER 1

सूरदास : पद

Board weightage 2025–2026

Year	2025	2026
Questions	–	1
Marks	–	5

Most asked topics

पठित काव्यांश

1

1 questions from 1 papers. Repeated questions are shown once with every year they were asked.

5 अंक : पठित अंश / पत्र, ई-मेल, स्ववृत्त

CBSE 2026 · 3/1/1 · Q9

5 marks

पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

ऊधौ ! तुम हौ अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।

ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।

प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी ।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ।।

(i) 'ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।' पंक्ति के द्वारा क्या स्पष्ट होता है ? (A) श्रीकृष्ण का मन प्रेम से अछूता रहा । (B) उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा । (C) गोपियाँ प्रेम रूपी रस से अछूती रहीं । (D) तेल से युक्त मटकी पर जल का प्रभाव नहीं होता ।

(ii) कृष्ण-प्रेम में डूबी गोपियों की तुलना किससे की गई है ? I. कमल के पत्ते से II. जल में पड़े तेल चुपड़े घड़े से III. गुड़ से चिपटी चींटियों से — (A) केवल III सही है । (B) केवल I सही है । (C) I और III दोनों सही हैं । (D) II और III दोनों सही हैं ।

(iii) प्रस्तुत पद के आधार पर सूरदास के काव्य के बारे में कहा जा सकता है : I. सहज उपमाओं द्वारा गूढ़ भाव व्यक्त किए गए हैं । II. उनके काव्य में केवल दार्शनिक चिंतन है । III. उनका काव्य बहुत अधिक अलंकृत और सजावटी है । IV. योग साधना से अधिक कृष्ण-प्रेम को महत्त्व दिया गया है । (A) I और II सही हैं । (B) III और IV सही हैं । (C) II और III सही हैं । (D) I और IV सही हैं ।

(iv) कथन : गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' कहते हुए वास्तव में 'भाग्यहीन' बता रही हैं । कारण : वे योग का संदेश लेकर आए हैं । (A) कथन सही है परंतु कारण गलत है । (B) कथन और कारण दोनों गलत हैं । (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है । (D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है ।

(v) गोपियों के अनुसार 'कृष्ण' किसके समान हैं ? (A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान (B) स्नेह के स्पर्श से भी दूर (C) कमल के पत्तों सरीखे (D) अनुरागी मन वाले 'बड़भागी'

Solution

(i) (B) उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा ।

(ii) (A) केवल III सही है (गुड़ से चिपटी चींटियाँ) ।

(iii) (D) I और IV सही हैं ।

(iv) (D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है ।

(v) (A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान ('प्रीति-नदी') ।

(कवि : सूरदास, 'पद')

CBSE BOARD PAPER

2026 • Q.P. Code 3111

Time: 3 hours

Maximum marks: 80

खंड 'क' : अपठित बोध

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
- जब हम छोटे थे, हमें सिखाया गया कि होशियार बनो। अच्छे नंबर लाओ। जीत कर दिखाओ। धीरे-धीरे ये आदत तमाम सीखें आदत में बदल गई और पता भी नहीं चला कि कब ये आदत हमारे मन की एक दौड़ में बदल गई। दूसरों से आगे निकलने की दौड़। कभी कक्षा में प्रथम आने की, कभी ऑफिस में पदोन्नति की, कभी समाज में इज़्ज़त कमाने की और कभी अपने ही भाई-बहनों, दोस्तों, रिश्तेदारों से बेहतर दिखने की। परंतु इस लगातार चलने वाली दौड़ में हम भूल गए कि जिस आत्मा को लेकर निकले थे, वह कहाँ है? हर सुबह उठते हैं और सोचते हैं कि किसे पछाड़ना है। हर शाम थककर सोते हैं और गिनते हैं कि कितने पीछे रह गए। यह थकान सिर्फ शरीर की नहीं है, आत्मा की थकान भी है क्योंकि हमने अपनी गति किसी और की रफ्तार से बाँध दी है। हम अपने फैसले किसी और की कामयाबी देखकर लेने लगे हैं।
- वो किताब क्यों पढ़ रहे हो? क्योंकि सब पढ़ रहे हैं। वो कोर्स क्यों कर रहे हो? क्योंकि उससे नौकरी मिलती है। शहर क्यों जा रहे हो? क्योंकि वहाँ ज़्यादा अवसर हैं। और धीरे-धीरे हमारी ज़िंदगी, हमारी नहीं रह जाती। वह एक नक़ल बन जाती है, दूसरों के रास्तों की, दूसरों के सपनों की। ऐसा नहीं है कि प्रतिस्पर्धा बुरी चीज़ है। आपको अगर किसी से आगे ही निकलना है, तो उस 'आप' से निकलिए, जो डरता है, जो टालता है, जो रोज़ कहता है 'कल से'। आपका अपना असली प्रतिद्वंद्वी कोई और नहीं, हमारा ही कल का, हमारा ही पुराना संस्करण है।
- आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ सोशल मीडिया हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को चमका कर पेश करता है, वहाँ अपने ही भीतर स्थिर रहना एक साधना है। खुशी और संतोष हमेशा भीतर से आते हैं और उनका रास्ता आत्म-साक्षात्कार से होकर जाता है, ना कि तुलना और प्रतियोगिता से।
- (i) गद्यांश के आधार पर लगातार दूसरों से की जा रही प्रतिस्पर्धा की हानि/हानियाँ है/हैं। उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :
I. शारीरिक थकान II. आत्मा की थकान III. सामाजिक प्रतिष्ठा की हानि IV. आर्थिक नुकसान — (A) I और II दोनों (B) I, II और III तीनों (C) I, II और IV तीनों (D) II और IV दोनों (1)
- (ii) सोशल मीडिया के युग में अपने भीतर स्थिर रहना एक साधना क्यों है? (A) यह दूसरों की उपलब्धियों को नज़र-अंदाज़ करना सिखाता है। (B) इससे हम अधिक सफल और प्रसिद्ध हो सकते हैं। (C) हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को दिखा ललचाता रहता है। (D) प्रतिस्पर्धात्मक युग में इंद्रियों पर नियंत्रण कठिन है। (1)
- (iii) कथन : हमें अपनी ज़िंदगी में दूसरों के सपनों का अनुकरण बंद कर देना चाहिए। कारण : दूसरों की नक़ल से सच्ची खुशी मिल सकती है। (A) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (B) कथन सही है किंतु कारण गलत है। (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है। (D) कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है। (1)
- (iv) हम सभी को बचपन में कौन-सी सीख दी जाती है और उसका क्या प्रभाव हमारे स्वभाव पर पड़ता है? (2)
- (v) खुशी और संतुष्टि किस प्रकार मिल सकती है? आप उसे पाने के लिए क्या करेंगे? (2)

7

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

गाँव में वो दिन था इतवार ।
मैं नन्हीं पीढ़ी का हाथ थाम
निकल गई बाज़ार ।
सूखे दरख्तों के बीच देख
एक पतली पगडंडी
मैंने नन्हीं पीढ़ी से कहा
देखो, यही थी कभी गाँव की नदी ।
आगे देख ज़मीन पर बड़ी सी दरार
मैंने कहा, इसी में समा गए सारे पहाड़ ।
नन्हीं पीढ़ी दौड़ी : हम आ गए बाज़ार !
क्या-क्या लेना है ? पूछने लगा दुकानदार ।
भैया ! थोड़ी बारिश, थोड़ी गीली मिट्टी,
एक बोटल नदी, वो डिब्बाबंद पहाड़
उधर दीवार पर टँगी एक प्रकृति भी दे दो,
और ये बारिश इतनी महँगी क्यों ?
दुकानदार बोला : यह नमी यहाँ की नहीं !
दूसरे ग्रह से आई है,
मंदी है, छटाँक भर मँगाई है ।
पैसे निकालने को साड़ी की कोर टटोली
चौकी ! देखा आँचल की गाँठ में
रुपयों की जगह
पूरा वजूद मुड़ा पड़ा था...

- (i) नदी के बोटल में और पहाड़ के डिब्बाबंद होने का क्या अर्थ है ? (A) भविष्य की आशंकाओं के चित्र खींचना (B) पर्यावरण के प्रति मनुष्य की उपेक्षा दिखाना (C) बाज़ारीकरण की भयावहता स्पष्ट करना (D) जीवन से प्रकृति और उसका साहचर्य गायब होना (1)
- (ii) कथन : कवयित्री अपने वजूद को मुड़ा हुआ पाती हैं । कारण : वह प्रकृति के बिना अपने अस्तित्व को खतरे में पाती हैं । (A) कथन सही है किंतु कारण गलत है । (B) कथन और कारण दोनों गलत हैं । (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है । (D) कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है । (1)
- (iii) कविता के मुख्य भाव को प्रस्तुत करने वाले विकल्प हैं : I. बाज़ारीकरण का बढ़ता प्रभाव II. प्रकृति की उपेक्षा III. भावी पीढ़ी का भय — (A) केवल III सही है । (B) केवल II सही है । (C) I और III सही हैं । (D) I और II सही हैं । (1)
- (iv) 'नन्हीं पीढ़ी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उसे साथ लेकर जाने का क्या कारण था ? (2)
- (v) कविता जिन खतरों की ओर इशारा कर रही है उनसे बचने के दो प्रभावी उपाय लिखिए । (2)

खंड 'ख' : व्यावहारिक व्याकरण

3. (i) वे जब उनका ज़िक्र करते हैं तब उसी नैसर्गिक आनंद में आँखें चमक उठती हैं । (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

1

OR

- (ii) पान वाले के खुद के मुँह में पान ठूँसा हुआ था । (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

- (iii) पान वाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित करने वाली । (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

- (iv) आषाढ़ की रिमझिम है । समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा । (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

(v) जब उत्साह कविता लिखी गई तब देश आज़ाद नहीं था। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचान कर लिखिए)

1

4. (i) सभी बच्चों ने पाठ पढ़ा। (कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

(ii) नागार्जुन ने बच्चे की मुस्कान पर कविता लिखी। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

1

OR

(iii) वृद्धा से चला नहीं जा रहा था। (कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

(iv) तुम जा नहीं सकते। (भाववाच्य में बदलकर लिखिए)

1

OR

(v) आपके द्वारा अपनी सफलता का उल्लेख नहीं किया गया। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

1

5. (i) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए : बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में धान रोप रहे थे।

1

OR

(ii) मेरी गणित की किताब उधर रखी है। (रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए)

1

OR

(iii) वह, आँखों-ही-आँखों में हँसा। (रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए)

1

OR

(iv) उत्तराखंड में आए दिन भूस्खलन की घटनाएँ हो रही हैं। (रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए)

1

OR

(v) हे भगवान ! यह कैसी खबर आई ? (रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए)

1

6. (i) गोपी पद-पंकज पावन कि रज जामे सिर भीजे (रेखांकित अंश में प्रयुक्त अलंकार लिखिए)

1

OR

(ii) आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए (कौन-सा अलंकार है ?)

1

OR

(iii) तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान / मृतक में भी डाल देगी जान (कौन-सा अलंकार है ?)

1

OR

(iv) 'उपमा अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण काव्य-पंक्ति द्वारा लिखिए।

1

OR

(v) 'उत्प्रेक्षा अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण काव्य-पंक्ति द्वारा लिखिए।

1

खंड 'ग' : पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक

7. पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :
- किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, "बाबा ! आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी । अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें । अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं ।" खाँ साहब मुस्कराए । लाड़ से भरकर बोले, "धत् ! पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नहीं । तुम लोगों की तरह बनाव सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई । तब क्या खाक रियाज़ हो पाता । ठीक है बिटिया, आगे से नहीं पहनेंगे, मगर इतना बताई देते हैं कि मालिक से यही दुआ है फटा सुर न बख्शें । लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी ।"
- (i) शिष्या द्वारा बिस्मिल्ला खाँ को टोकने के पीछे कौन-से कारण थे ? I. शिष्या को फटी तहमद के कारण शर्म आ रही थी । II. शिष्या खाँ साहब की प्रतिष्ठा के लिए चिंतित थी । III. खाँ साहब बनाव-शृंगार को विशेष महत्त्व नहीं देते थे । IV. शिष्या खाँ साहब के प्रति आत्मीयता का भाव रखती थी । (A) कथन I और III सही हैं । (B) कथन I और IV सही हैं । (C) कथन II और IV सही हैं । (D) कथन II और III सही हैं ।
- (ii) बिस्मिल्ला खाँ द्वारा अपनी शिष्या को 'धत् ! पगली' कहकर संबोधित करने में कौन-सा भाव प्रकट होता है ? (A) हास का (B) स्नेह का (C) क्रोध का (D) उपहास का
- (iii) कथन : बिस्मिल्ला खाँ ईश्वर से सच्चे सुरों की प्रार्थना करते थे । कारण : भारतरत्न पुरस्कार से सम्मानित होने के कारण वे अधिक विनम्र हो गए थे । (A) कथन सही है परंतु कारण गलत है । (B) कथन और कारण दोनों गलत हैं । (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है । (D) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है ।
- (iv) इस गद्यांश के आधार पर खाँ साहब की विशेषताएँ हैं : I. परिश्रमी II. प्रतिभावान III. सरल — (A) I, II और III तीनों (B) I और II दोनों (C) II और III दोनों (D) I और III दोनों
- (v) 'मालिक फटा सुर न बख्शें' का क्या आशय है ? (A) ईश्वर उनके वादन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे । (B) ईश्वर उनके गायन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे । (C) ईश्वर की अनुकंपा सदैव बनी रही । (D) ईश्वर किसी को बेसुरा न बनाए ।

8. (i) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में नेताजी की मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न होना बड़ी बात नहीं थी, बड़ी बात तो असली चश्मे की मौजूदगी थी । क्यों ? उपयुक्त तर्कों के आधार पर उत्तर लिखिए । (लगभग 25-30 शब्द)

OR

- (ii) बालगोबिन भगत का बेटा सामान्य बच्चों से अलग कैसे था ? वे उसके साथ किस प्रकार का बर्ताव करते थे ? (लगभग 25-30 शब्द)

OR

- (iii) किस आधार पर यह कहा जा सकता है कि 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब खीरे के साथ देखे जाने पर ही असहज हो गए थे ? (लगभग 25-30 शब्द)

OR

- (iv) 'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्नू भंडारी ने स्वयं पर अपने पिता के प्रभाव को स्वीकारा है । उनके व्यक्तित्व के किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए जो पिता के प्रभाव को दर्शाते हों । (लगभग 25-30 शब्द)

9. पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

ऊधौ ! तुम हौ अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।

ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।

प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोर्खौ, दृष्टि न रूप परागी ।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ॥

(i) 'ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।' पंक्ति के द्वारा क्या स्पष्ट होता है ? (A) श्रीकृष्ण का मन प्रेम से अछूता रहा । (B) उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा । (C) गोपियाँ प्रेम रूपी रस से अछूती रहीं । (D) तेल से युक्त मटकी पर जल का प्रभाव नहीं होता ।

(ii) कृष्ण-प्रेम में डूबी गोपियों की तुलना किससे की गई है ? I. कमल के पत्ते से II. जल में पड़े तेल चुपड़े घड़े से III. गुड़ से चिपटी चींटियों से — (A) केवल III सही है । (B) केवल I सही है । (C) I और III दोनों सही हैं । (D) II और III दोनों सही हैं ।

(iii) प्रस्तुत पद के आधार पर सूरदास के काव्य के बारे में कहा जा सकता है : I. सहज उपमाओं द्वारा गूढ़ भाव व्यक्त किए गए हैं । II. उनके काव्य में केवल दार्शनिक चिंतन है । III. उनका काव्य बहुत अधिक अलंकृत और सजावटी है । IV. योग साधना से अधिक कृष्ण-प्रेम को महत्त्व दिया गया है । (A) I और II सही हैं । (B) III और IV सही हैं । (C) II और III सही हैं । (D) I और IV सही हैं ।

(iv) कथन : गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' कहते हुए वास्तव में 'भाग्यहीन' बता रही हैं । कारण : वे योग का संदेश लेकर आए हैं ।

(A) कथन सही है परंतु कारण गलत है । (B) कथन और कारण दोनों गलत हैं । (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है । (D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है ।

(v) गोपियों के अनुसार 'कृष्ण' किसके समान हैं ? (A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान (B) स्नेह के स्पर्श से भी दूर (C) कमल के पत्तों सरीखे (D) अनुरागी मन वाले 'बड़भागी'

10. (i) परशुराम के आगमन के पश्चात् राजा जनक की सभा का दृश्य 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर अपने शब्दों में वर्णित कीजिए । (लगभग 25-30 शब्द)

OR

(ii) 'संगतकार' कविता में कवि जिसे संगतकार की मनुष्यता बता रहा है वह वास्तव में उसका कर्तव्य ही है । इस कथन के पक्ष में उचित तर्कों को प्रस्तुत कीजिए । (लगभग 25-30 शब्द)

OR

(iii) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में बाँस या बबूल की संज्ञा से किसे संबोधित किया गया है और क्यों ? (लगभग 25-30 शब्द)

OR

(iv) 'उत्साह' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उसकी अभिव्यक्ति 'बादल' के सहारे क्यों की गई है ? (लगभग 25-30 शब्द)

11. (i) 'प्रयास करने पर पुरुष भी बच्चों का पालन-पोषण भली-भाँति कर सकते हैं ।' 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित भोलानाथ और उसके पिता के जीवन-प्रसंगों से दो उदाहरण लेते हुए इस कथन के पक्ष में उचित तर्क प्रस्तुत कीजिए । (लगभग 50-60 शब्द)

OR

(ii) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को 'लायुंग' किन कारणों से अधिक पसंद आया ? आपके विचार से किसी पर्यटन स्थल को प्रसिद्ध और दर्शनीय बनाने वाले बिंदु कौन-से होते हैं ? (लगभग 50-60 शब्द)

OR

(iii) क्या किसी एक लेखक के लिए जो बातें प्रेरणास्रोत हैं वे अन्य लेखक को भी प्रेरित कर सकती हैं ? सहमति या असहमति को उचित तर्कों एवं उदाहरणों द्वारा 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए । (लगभग 50-60 शब्द)

खंड 'घ' : रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : (i) यात्राएँ हमें बेहतर मनुष्य बनाती हैं [सांस्कृतिक, भौगोलिक जानकारी; भिन्न परिवेश और मान्यताएँ; अनुभव की व्यापकता] (ii) उत्तम स्वास्थ्य : सबसे बड़ा धन [स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन/विचार; स्वस्थ तन-मन से ही सभी कार्य संभव; स्वास्थ्य-रक्षा के लिए आवश्यक कदम] (iii) जब मैंने बैंक में बचत खाता खुलवाया [खाता खुलवाने की प्रक्रिया की जानकारी; आवश्यक दस्तावेजों सहित बैंक जाना; खाता खुलवाना और प्रसन्नता का अनुभव]
13. (i) आप कवीश/काव्या हैं। आपने अपने मुहल्ले में 'कचरा पृथक्करण' (वेस्ट सेग्रीगेशन) के अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया है। इसकी जानकारी देते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।
- OR
- (ii) अथवा – एक सप्ताह के लिए माता-पिता को अचानक दूसरे शहर जाना पड़ा। उनके पीछे से आपने घर का प्रबंधन कैसे सँभाला, यह अनुभव बताते हुए प्रिय मित्र को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।
14. (i) आप जयपुर शहर के निवासी अमन/रोमा हैं। शहर में आए दिन होने वाली बारिश की वजह से उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए नगर निगम अध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए और शीघ्रातिशीघ्र समाधान का आग्रह कीजिए।
- OR
- (ii) अथवा – आपका नाम हुमा/फ़रहान है। आप अंग्रेज़ी में एम.ए. कर रहे हैं। एक प्रमुख प्रकाशन संस्थान में इंटरनशिप हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त (बायोडाटा) लिखिए।
15. (i) आपने अपने पिता के साथ मिलकर दुग्ध उत्पादों (डेयरी प्रोडक्ट्स) की कंपनी 'एकम' शुरू की है। इसके प्रचार हेतु लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।
- OR
- (ii) अथवा – आपकी बड़ी बहन का लिखा गीत 'मेरे देश की मिट्टी' प्रसिद्ध हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

Solutions • CBSE 2026 • 3/1/1

- Q1 (i) (A) I और II दोनों।
(ii) (D) प्रतिस्पर्धात्मक युग में इंद्रियों पर नियंत्रण कठिन है।
(iii) (B) कथन सही है किंतु कारण गलत है।
(iv) **सीख** – होशियार बनो, अच्छे अंक लाओ, जीतकर दिखाओ। **प्रभाव** – ये सीखें आदत बनकर दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में बदल जाती हैं; हमेशा सबसे बेहतर बने रहने की इच्छा, प्रतिद्वंद्विता, शरीर और मन की थकान, और दूसरों को देखकर अपने निर्णय लेने की आदत पैदा होती है।
(v) खुशी और संतुष्टि भीतर से आती है – आत्म-साक्षात्कार से, अपनी क्षमता और योग्यता पर विश्वास रखने से, तथा तुलना और प्रतियोगिता से मुक्त रहने से। मैं इसे पाने के लिए अपने ही 'कल' से बेहतर बनने का प्रयास करूँगा, सोशल मीडिया की चकाचौंध और दूसरों से तुलना से दूर रहूँगा, और अपनी रुचि के काम पूरे मन से करूँगा।
- Q2 (i) (D) जीवन से प्रकृति और उसका साहचर्य गायब होना।
(ii) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।
(iii) (D) I और II सही हैं।
(iv) 'नन्हीं पीढ़ी' का अर्थ है **भावी पीढ़ी अर्थात् बच्चे**। कवयित्री उन्हें साथ ले गई ताकि उन्हें प्रकृति के विनाश (सूखी नदी, समाप्त होते पहाड़) और बाज़ारीकरण के खतरों से अवगत करा सकें तथा उनमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना जगा सकें।

(v) (1) वृक्षारोपण, जल-संरक्षण और नदियों-पहाड़ों की रक्षा के लिए कार्यक्रम चलाना और उनमें भाग लेना । (2) पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना; प्लास्टिक और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध उपभोग को कम करना ।

Q3(i) मिश्र (मिश्रित) वाक्य – 'जब ... तब' से जुड़े आश्रित और प्रधान उपवाक्य हैं ।

Q3(ii) जो पानवाला था, उसके खुद के मुँह में पान ठूँसा हुआ था ।

Q3(iii) पानवाले के लिए मज़ेदार बात हालदार साहब के लिए चकित करने वाली थी ।

Q3(iv) आषाढ़ की रिमझिम है और समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा । (अथवा – आषाढ़ की रिमझिम है इसलिए समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा ।)

Q3(v) आश्रित उपवाक्य – जब उत्साह कविता लिखी गई; भेद – क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य (कालवाचक) ।

Q4(i) सभी बच्चों द्वारा पाठ पढ़ा गया ।

Q4(ii) कर्तृवाच्य – कर्ता (नागार्जुन) प्रधान है ।

Q4(iii) वृद्धा चल नहीं पा रही थी ।

Q4(iv) तुमसे जाया नहीं जा सकता ।

Q4(v) कर्मवाच्य – कर्म (उल्लेख) प्रधान है और कर्ता के साथ 'द्वारा' लगा है ।

Q5(i) अपने – विशेषण, सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण, 'खेत' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन ।

Q5(ii) उधर – अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'रखी है' क्रिया की विशेषता बताता है ।

Q5(iii) वह – सर्वनाम, पुरुषवाचक (अन्य पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'हँसा' क्रिया का कर्ता ।

Q5(iv) घटनाएँ – संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक ।

Q5(v) हे भगवान! – अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोकसूचक (विस्मयसूचक) ।

Q6(i) रूपक अलंकार – पद (चरण) पर पंकज (कमल) का अभेद आरोप है ।

Q6(ii) मानवीकरण अलंकार – धूल को घाघरा उठाकर भागती स्त्री के रूप में दिखाया गया है ।

Q6(iii) अतिशयोक्ति अलंकार – मुस्कान से मृतक में जान आ जाना बढ़ा-चढ़ाकर कहा गया है ।

Q6(iv) पीपर पात सरिस मन डोला । (मन की तुलना पीपल के पत्ते से, 'सरिस' वाचक शब्द) – अथवा – 'हरिपद कोमल कमल से' ।

Q6(v) मानो हँसी हिमालय की है, फूट चली करती कल गान । ('मानो' द्वारा संभावना की कल्पना) ।

Q7 (i) (C) कथन II और IV सही हैं ।

(ii) (B) स्नेह का ।

(iii) (A) कथन सही है परंतु कारण गलत है । (वे सदा से विनम्र थे; सुर के प्रति उनकी प्रार्थना पुरस्कार के कारण नहीं थी ।)

(iv) (A) I, II और III तीनों ।

(v) (A) ईश्वर उनके वादन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे ।

(पाठ : 'नौबतखाने में इबादत', यतींद्र मिश्र)

- Q8(i)** मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न बन पाना तो मूर्तिकार की सीमा थी, पर कैप्टन जैसे साधारण व्यक्ति का बार-बार उस पर असली चश्मा लगाना यह दर्शाता था कि लोगों के हृदय में आज भी देशभक्तों के प्रति **सम्मान और देशभक्ति** का भाव जीवित है। चश्मे का न होना किसी को अखरा और उसने अपनी सामर्थ्य से उसकी पूर्ति की – यही नागरिकों का कर्तव्य-बोध और जागरूकता है, जो उदासीनता और उपहास के स्थान पर देश के प्रति सम्मान दिखाता है।
-
- Q8(ii)** **कैसे** – उनका इकलौता बेटा कुछ **सुस्त और बोदा** (मंदबुद्धि) था। **बर्ताव** – भगत जी का मानना था कि ऐसे लोगों को अधिक प्रेम और निगरानी की ज़रूरत होती है, इसलिए वे उससे और भी अधिक स्नेह करते थे और उसकी देखभाल करते थे।
-
- Q8(iii)** लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब साहब ने संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया, लेखक को अनदेखा किया और उनके चेहरे पर एकांत-चिंतन में विघ्न का असंतोष झलका। उन्हें लगा कि मामूली खीरा खाते देखे जाने से उनकी नवाबी शान घटेगी; इसलिए उन्होंने बार-बार लेखक से खीरा खाने का आग्रह किया और अंत में तीव्र इच्छा होते हुए भी फाँकें सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक दीं।
-
- Q8(iv)** (1) **शक्की स्वभाव और हीन-भावना** – पिता के शक्की स्वभाव और काले रंग के कारण उपेक्षा से लेखिका में हीन-भावना घर कर गई; यश और सम्मान पाने के बाद भी वे संकोच करती रहीं और सहज विश्वास नहीं कर पातीं। (2) **देश और समाज के प्रति जागरूकता** – पिता ने उन्हें रसोई से दूर रखकर राजनीतिक बहसों में बैठने दिया, जिससे उनमें आज़ादी के प्रति सजगता और अध्ययनशीलता आई।
-
- Q9** (i) (B) उद्धव का मन प्रेम से अलूता रहा।
 (ii) (A) केवल III सही है (गुड़ से चिपटी चींटियाँ)।
 (iii) (D) I और IV सही हैं।
 (iv) (D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।
 (v) (A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान ('प्रीति-नदी')।
 (कवि : सूरदास, 'पद')
-
- Q10(i)** शिव-धनुष टूटने के बाद सभा में उल्लास था, पर क्रोधित परशुराम के आते ही वातावरण भय से भर गया; उपस्थित राजा डर गए। राम ने संयम और विनम्रता से उन्हें समझाने का प्रयास किया, पर परशुराम दंभपूर्ण चेतावनियाँ देते रहे और उनका क्रोध बढ़ता गया। लक्ष्मण की निर्भीक, व्यंग्यपूर्ण बातों से सभी अनिष्ट की आशंका से भर उठे।
-
- Q10(ii)** (1) मुख्य गायक का साथ देना और उसके स्वर को सहारा देना संगतकार का पेशेवर कर्तव्य है; वह इसी उद्देश्य से संगतकार की भूमिका चुनता है। (2) अपनी आवाज़ को मुख्य गायक से ऊँचा न उठने देना भी उसकी पेशेवर प्रतिबद्धता है; इसलिए साथ देकर वह कोई विशिष्ट उपकार नहीं, अपना कर्तव्य ही निभा रहा है।
-
- Q10(iii)** **कैसे** – कवि ने स्वयं को (पिता को) बाँस या बबूल कहा है। **क्यों** – लंबे समय तक घर से दूर रहने के कारण उसका जीवन कठोर, नीरस और रूखा हो गया था; पर बच्चे की दंतुरित मुस्कान के स्पर्श से उस बाँस-बबूल से भी शेफालिका के फूल झरने लगे।
-
- Q10(iv)** **केंद्रीय भाव** – परिवर्तन, क्रांति और नवनिर्माण का आह्वान। **बादल क्यों** – बादल विध्वंस, विप्लव और क्रांति-चेतना का प्रतीक है; वह नवनिर्माण का आधार तैयार करता है। जैसे बादल तपती धरती को राहत देते हैं, वैसे ही कवि शोषित-पीड़ित जन की आकांक्षाओं की पूर्ति की कामना करता है।
-
- Q11(i)** **उदाहरण** – (1) भोलानाथ की पूरी दिनचर्या में पिता उसके साथ रहते थे – उसे सुबह उठाते, नहलाते, पूजा पर बिठाते, माथे पर तिलक लगाते और कंधे पर बिठाकर गंगा ले जाते थे। (2) वे उसके साथ खेलते थे – कुश्ती में जान-बूझकर हारकर उसे प्रसन्न करते थे, आटे की गोलियाँ मछलियों को खिलाने में उसे साथ रखते थे और बच्चों के खेल में दर्शक बनकर शामिल होते थे।
तर्क – बच्चों का लालन-पालन कोई लिंग-आधारित कर्तव्य नहीं है; माता या पिता में से जो भी धैर्यपूर्वक पर्याप्त समय और स्नेह देगा, वह यह दायित्व अच्छी तरह निभा सकता है। भोलानाथ के पिता इसका सुंदर उदाहरण हैं।
-
- Q11(ii)** **लायुंग पसंद आने के कारण** – वहाँ की गहरी शांति और रमणीयता; गगनचुंबी पहाड़ों से घिरी शांत घाटी; तिस्ता नदी की शांत धारा की कल-कल ध्वनि; मंद-मंद हवा; और पेड़-पौधों, पशुओं व मनुष्यों की अपनी लय-ताल-गति वाला सहज जीवन।

पर्यटन स्थल को प्रसिद्ध बनाने वाले बिंदु – प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक या धार्मिक-सांस्कृतिक महत्त्व, प्रदूषण-रहित वातावरण, आवागमन-निवास-भोजन की अच्छी सुविधाएँ और स्थानीय लोगों का सद्भवहार ।

- Q11(iii) सहमति** – हाँ, किसी रचनाकार के अनुभव, विचार और संघर्ष अन्य लेखकों को भी प्रेरित कर सकते हैं । अज्ञेय ने हिरोशिमा की त्रासदी (पत्थर पर पड़ी मनुष्य की छाया) को देखकर अनुभूति पाई और कविता लिखी; उनकी रचना पढ़कर नए लेखकों के मन में भी अपने विचार, प्रेरणा और आंतरिक विवशता जाग सकती है । भीतरी विवशता केवल अज्ञेय के लिए नहीं, किसी भी लेखक के लिए लिखने का कारण बन सकती है ।
- (असहमति का तर्क भी स्वीकार्य – अज्ञेय के अनुसार सच्ची रचना लेखक की अपनी आंतरिक अनुभूति और विवशता से ही उत्पन्न होती है; दूसरों की प्रेरणा बाहरी दबाव जैसी हो सकती है ।)

Q12

यात्राएँ हमें बेहतर मनुष्य बनाती हैं

यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी पाठशाला है । जब हम नए स्थानों पर जाते हैं, तो वहाँ की नदियों, पहाड़ों, जलवायु और ऐतिहासिक स्थलों से हमें **भौगोलिक और सांस्कृतिक जानकारी** मिलती है, जो किताबों से कहीं अधिक जीवंत होती है ।

यात्रा में हम **भिन्न परिवेश और मान्यताओं** वाले लोगों से मिलते हैं – उनका खान-पान, भाषा, पहनावा और त्योहार देखकर हमारी सोच उदार बनती है और 'विविधता में एकता' का अर्थ समझ आता है । अनजान जगहों पर आई कठिनाइयाँ हमें धैर्य, आत्मनिर्भरता और सहयोग सिखाती हैं ।

इस प्रकार यात्राएँ हमारे **अनुभव को व्यापक** बनाती हैं, संकीर्णता दूर करती हैं और हमें अधिक संवेदनशील तथा सहिष्णु मनुष्य बनाती हैं । इसलिए जीवन में अवसर मिलते ही यात्रा अवश्य करनी चाहिए ।

(भूमिका 1 · विषयवस्तु 3 · निष्कर्ष 1 · भाषा 1)

Q13(i)

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक : 10 मार्च 20XX

सेवा में

संपादक महोदय

दैनिक जागरण

नई दिल्ली

विषय : मुहल्ले में 'कचरा पृथक्करण' अभियान की सफलता के संबंध में

महोदय,

आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से मैं अपने मुहल्ले में चलाए गए 'कचरा पृथक्करण' अभियान की जानकारी देना चाहता/चाहती हूँ । हमारी युवा टोली ने घर-घर जाकर लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने का महत्त्व समझाया और हर घर को हरे-नीले डिब्बे दिलवाए । नगर निगम के सहयोग से अलग-अलग गाड़ियाँ कचरा उठाने लगीं और गीले कचरे से खाद बनाने का कार्य भी शुरू हुआ ।

आज मुहल्ला स्वच्छ है, दुर्गंध और मच्छर कम हुए हैं । आपसे निवेदन है कि इस अभियान को प्रकाशित करें, ताकि अन्य मुहल्ले भी प्रेरित हों ।

भवदीय

कवीश/काव्या

(प्रारूप 1 · विषयवस्तु 3 · भाषा 1)

Q13(ii)

15, गांधी नगर

जयपुर

दिनांक : 12 मार्च 20XX

प्रिय मित्र रोहन,

सप्रेम नमस्ते ।

आशा है तुम सकुशल होगे। पिछले सप्ताह एक नया अनुभव हुआ, वही बताने के लिए पत्र लिख रहा हूँ। दादी जी की तबीयत खराब होने से माता-पिता को अचानक एक सप्ताह के लिए लखनऊ जाना पड़ा। घर और छोटी बहन की ज़िम्मेदारी मुझ पर थी। मैंने सुबह जल्दी उठकर नाश्ता बनाना, बहन को विद्यालय के लिए तैयार करना, दूध-सब्ज़ी का हिसाब रखना और बिजली का बिल जमा करना जैसे काम किए। पड़ोस वाली आंटी ने भी सहायता की। शाम को हम दोनों साथ पढ़ाई करते थे। इन सात दिनों में मैंने समझा कि घर चलाना कितना कठिन है और माँ-पिताजी हमारे लिए कितना परिश्रम करते हैं। तुम भी अपने अनुभव लिखना।

तुम्हारा मित्र

अमन

(प्रारूप 1 · विषयवस्तु 3 · भाषा 1)

Q14(i) **From:** aman.jaipur@gmail.com
To: adhyaksh.nagarnigam@jaipur.gov.in
Subject: बारिश से उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु

आदरणीय महोदय,

मैं जयपुर के मालवीय नगर का निवासी हूँ। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कों पर जल-भराव हो गया है, नालियाँ जाम हैं और गड्ढों के कारण दुर्घटनाएँ हो रही हैं। जगह-जगह कीचड़ और रुके पानी से मच्छर पनप रहे हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

आपसे निवेदन है कि नालियों की सफ़ाई, पानी की निकासी और सड़कों की मरम्मत की व्यवस्था शीघ्रातिशीघ्र करवाएँ।

सधन्यवाद

अमन/रोमा

मालवीय नगर, जयपुर

(प्रारूप 1 · विषयवस्तु 3 · भाषा 1)

Q14(ii)

स्ववृत्त

नाम : हुमा/फ़रहान खान

पिता का नाम : श्री अनवर खान

जन्म-तिथि : 15 जुलाई 20XX

पता : 22, सिविल लाइंस, लखनऊ (उ.प्र.)

मोबाइल : 98XXXXXX12 · ई-मेल : huma.khan@xyz.com

शैक्षणिक योग्यता

एम.ए. (अंग्रेज़ी) – अध्ययनरत, लखनऊ विश्वविद्यालय

बी.ए. (अंग्रेज़ी ऑनर्स) – लखनऊ विश्वविद्यालय, 78%

बारहवीं (सीबीएसई) – 89%

अन्य योग्यताएँ / कौशल : संपादन और प्रूफ़-रीडिंग, कंप्यूटर (एम.एस. ऑफ़िस), अनुवाद (अंग्रेज़ी-हिंदी)

उपलब्धियाँ : विश्वविद्यालय पत्रिका की छात्र-संपादक; अंतर-विश्वविद्यालय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम

भाषाएँ : हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू

रुचियाँ : पठन, लेखन, पुस्तक-समीक्षा

घोषणा : उपर्युक्त सभी जानकारी सत्य है।

हुमा/फ़रहान

(प्रारूप 1 · विषयवस्तु 3 · भाषा 1)

Q15(i)

'एकम' डेयरी – शुद्धता का दूसरा नाम

ताज़ा दूध · दही · पनीर · घी · मक्खन

✓ गाँव के फ़ार्म से सीधे आपके घर

✓ बिना मिलावट, स्वच्छ पैकिंग

✓ घर पहुँच सेवा – सुबह 6 बजे तक

उद्घाटन ऑफ़र : पहले माह 10% छूट !

संपर्क : एकम डेयरी, रिंग रोड, जयपुर · फ़ोन : 98XXXXXX00

(रचनात्मकता 1 · विषयवस्तु 2 · समग्र प्रभाव 1)

Q15(ii)

संदेश

दिनांक : 5 अप्रैल 20XX · समय : प्रातः 8 बजे

प्रिय दीदी,

आपका गीत 'मेरे देश की मिट्टी' आज हर जुबान पर है ! इतनी बड़ी सफलता के लिए हार्दिक बधाई । आपकी कलम से देश-प्रेम की यह सुगंध यूँ ही फैलती रहे । पूरे परिवार को आप पर गर्व है ।

आपका छोटा भाई

अमन

(प्रारूप 1 · विषयवस्तु 2 · भाषा 1)



All the best for your boards!

Complete chapter-wise notes, NCERT solutions and more at **notesbazar.in**